BIHAR BOARD CLASS - X

2016

HINDI (हिन्दी)

प्रथम पाली (First Sitting)

समय: 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-

पुरुषार्थी एवं श्रमशील व्यक्ति ही संसार में अपने अस्तित्व की रक्षा करने में सफल हो सकता है। 'वीरभोग्या वसुंधरा' का ध्येय मंत्र ही मानवमात्र को उसके निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचाने में सशक्त संबल है। अपने जीवन की संघर्षमय यात्रा में प्रत्येक व्यक्ति को अनेकानेक विघ्न-बाधाओं व विपत्तियों से दो-चार होते हुए निरंतर कर्म पथ पर अग्रसर होना होता है। कर्मरत मनुष्य देर-सबेर अपने अभीष्ट की प्राप्ति कर ही लेता है , जबकि कर्मभीरु या कामचोर व्यक्ति भाग्य को कोसता हुआ सदैव दुखी या कुंठित रहता है। अपना बहुमूल्य समय और कई सुअवसर खोकर भाग्यवादी व्यक्ति कभी भी अपनी मनोरथसिद्धि नहीं कर पाता, जबकि अनवरत संघर्ष एवं कर्म के मार्ग में संलग्न कर्मवीर को आत्मसंतोष तो होता ही है , वह पूरे समाज के लिए भी एक आदर्श प्रतिमूर्ति बन जाता है। वास्तव में अपने सपनों को साकार करने के लिए व्यक्ति को पुरुषार्थ का मार्ग आवश्यक रूप से चुनना पड़ता है। अपने पौरुष के द्वारा परिश्रमी व्यक्ति अपने भाग्य की रेखाओं को भी अपने अनुकूल बना लेता है। 'भाग्यं फलति सर्वत्रं न क्रिया न च पौरुषम्' उक्ति से कर्महीन व्यक्ति अपना बचाव नहीं कर सकता, क्योंकि कर्म की प्रेरणा देनेवाली गीता - योग, ज्ञान और कर्म में तल्लीन रहने की सीख देती है। यह सार्वभौम सत्य है कि पुरुषार्थ एवं कर्मपरायण के द्वारा ही जीवन में चतुर्थ वर्ग अर्थ , धर्म, काम, मोक्षादि फलों की प्राप्ति संभव है। इसलिए , व्यक्ति को जीवन में प्रमाद और आलस्य त्यागकर अनवरत कर्म पथ से संलग्न होना चाहिए।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक 30 शब्दों में)

(क) अपने अस्तित्व की रक्षा करने में कैसा व्यक्ति सफल हो सकता है?

(ख) इस पृथ्वी को कैसा व्यक्ति भोग सकता है?

(ग) भाग्यवादी लोगों की आकांक्षाएँ पूर्ण क्यों नहीं हो पाती ?

(घ) लक्ष्य प्राप्ति के बाद कर्मवीर को समाज से क्या प्राप्त होता है ?

(घ) कर्म का हमारे जीवन में क्या महत्व है?

(ङ) चतुर्थ वर्ग का विग्रह कर उनका नाम लिखें।

(ब) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-

आज आतंकवाद ने समूचे विश्व को हिलाकर रख दिया है। विश्वशक्ति का दावा करनेवाला अमेरिका भी इससे अछूता नहीं है। भारतवर्ष के अधिसंख्य राज्य भी इससे जूझ रहे हैं। हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान के सहयोग एवं प्रोत्साहन से भारत में हमेशा हिंसा का तांडव नृत्य चलता रहता है। हम मूकदर्शक बने सीमा पार से प्रायोजित इस आतंकवाद का मुँहतोड़ जवाब भी नहीं दे पा है। प्राकृतिक आपदाओं में हुए जानमाल के नुकसान को तो सरकार-प्रशासन यह कहकर अपने कर्तव्य की इतिश्री मान लेते हैं कि इसपर मानव का कोई जोर नहीं , किंतु मानव के द्वारा मानव की हत्या के ऐसे सुनियोजित षड्यंत्रों का क्या कोई प्रतिकार अथवा समाधान हमारे कर्णधारों के पास नहीं है?" प्रश्न यह उठता है कि हमारी सरकार और नीति-नियंता पुरोधाओं की ऐसी क्या विवशता है कि वे भारतवर्ष में मकड़जाल की तरह फैले इस आतंकवाद रूपी दैत्य का संहार नहीं कर सकते। हमने इसी तरह चुप्पी साधे रखी तो वह दिन दूर नहीं जब शत्रु हमारे धैर्य को कायरता मानकर कभी हमारे घर के अंदर भी घुसने से परहेज नहीं करेगा। हम कह सकते हैं कि राजनेताओं को दलगत संकीर्णता एवं राजनीतिक स्वार्थ भाव से ऊपर उठकर एकजुट होकर कुछ ठोस पहल हेतु प्रयत्न करना चाहिए।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक 30 शब्दों में)

(क) आतंकवाद विश्व के लिए चुनौती है। कैसे?

(ख) लेखक सरकार और नीति नियंताओं से क्या अपेक्षा करता है?

(ग) राष्ट्रहित में राजनेताओं को क्या करना चाहिए?

(घ) सुनियोजित और प्रायोजित पदों में प्रयुक्त उपसर्ग बताएँ ।

2. दिए गए संकेत विन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध लिखें।

(क) राष्ट्रीय पर्व (स्वतंत्रता दिवस)

(i) भूमिका

(ii) संघर्ष की गाथा

(iii) परिणति

(iv) पर्व की महत्ता

(v) उपसंहार

(ख) मेरा प्रिय खेल

(i) भूमिका

(ii) खेल का महत्त्व

(iii) खेल से लाभ

(iv) खेल से हानि

(v) उपसंहार

(ग) होली / ईद

(i) भूमिका

(ii) मनाने की तैयारी

(iii) अंतरकथा

(iv) लाभ एवं हानि

(v) उपसंहार

3. पटना भ्रमण की चर्चा करते हुए अपने मित्र के पास पत्र लिखें।

अथवा

शुल्क मुक्ति के लिए प्रधानाध्यापक को प्रार्थना पत्र लिखें।

4. Missing Question

5. Missing Question

6. Missing Question

7. Missing Question

8. जाति भारतीय समाज में श्रम-विभाजन को स्वाभाविक रूप क्यों नहीं कहा जा सकता? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

9. 'विष के दाँत' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

10. भारत किस अतीत और सुदूर भविष्य को जोड़ता है ?

11. देवनागरी लिपि में कौन-सी भाषाएँ लिखी जाती है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

12. Missing Question

13. कवि किसके बिना जगत में यह जन्म व्यर्थ मानता है?

14. कविता में 'क' का विवरण स्पष्ट करें। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

15. परहित के लिए देह कौन धारण करता है? स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

16. कविता का समापन करते हुए कवि अपने किन-किन आदेशों का जिक्र करता है और क्यों? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

17. Missing Question

18. 'दही वाली मंगम्मा' कहानी का कथा वाचक कौन है? उसका परिचय दीजिए। (उत्तर 40) शब्दों में दें)

19. लेखक ने कहानी का शीर्षक 'नगर' क्यों रखा? (उत्तर 30 शब्दों में दें।)

20. वल्लि अम्माल का चरित्र चित्रण करें। (उत्तर 30 शब्दों में दें)।